57	सत्यंकार्ः सत्याकृति-
58	स्तुल्या विषणाविक्रया । । मानामा
59	गएयं गणेयं संख्येयं
60	संख्या वेकादिका भवेत् ॥ ८७२ ॥
61	यथोत्तरं दशगुणं भवेदेको दशामुतः।
62	शतं सक्स्रमयुतं लन्नप्रयुतकोरयः ॥ ८७३ ॥
63	म्रर्बुदमब्तं वर्बं च निवर्बं च मक्षम्बुतम् ।
64	शङ्क्वीर्धिर्ह्यं मध्यं परार्धं चेति नामतः ॥ ८७४ ॥
65	म्रसंख्यं द्वीपवार्ध्यादि
66	पुद्गलात्माद्यनत्तकम् ।
67	सांयात्रिकः पातविण-
68	ग्यानपात्रं विक्त्रिकम् ॥ ८७५ ॥
69	बोव्हित्यं वत्हनं पातः
70	पोतवाद्दा नियामकः।
71	निर्यामः
72	कर्णाधारस्तु नाविका
73	नौस्तु मङ्गिनी ॥ ८७६ ॥
74	तरीतर्णया वेडा- ॥ हिम्स
-	O 37-1 C (O 387)

58. Verkauf (2 W.). — 59. Zählbar (3 W.). — 60. Zahl. — 61—64. Achtzehn Namen verschiedener Zahlen, von denen die nachfolgende immer zehn Mal grösser ist als die vorangehende (die Reihe beginnt mit 1). — 65. Inseln, Meere u. s. w. sind un zählbar. — 66. Die Seele, der Geist u. s. w. sind un endlich. — 67 Seefahrender Kaufmann. — 68. 69. Schiff (5 W.). — 70. 71. Schiffer, Matrose (3 W.). — 72. Steuermann (2 W.). — 73. 74. Schiff, Boot (5 W.).